रचनात्मक आकलन
वाणिज्य
कक्षा–10

रचनात्मक आकलन कक्षा शिक्षण के साथ–साथ चलने वाली प्रक्रिया है। यह सीखने के बाद नहीं, बल्कि सीखने के साथ ही किया जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि विद्यार्थियों के सीखने के स्तर एवं पढ़ाई जाने वाली पाठ्यवस्तु की समझ का आकलन शिक्षण के दौरान ही किया जा सके, जिससे शिक्षक को अपनी शिक्षण तकनीक की प्रभावशीलता का फीडबैक प्राप्त हो सके तथा इसके आधार पर शिक्षक अपनी पाठ्य योजना में आवश्यक परिवर्तन कर सके। इस आकलन के आधार पर कमजोर विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त उपचारात्मक शिक्षण की योजना बनाने में भी सहायता मिलती है। अतः इससे शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को और बेहतर तथा कक्षा शिक्षण को रोचक बनाया जा सकता है।

रचनात्मक आकलन से विद्यार्थियों की शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सहभागिता बढ़ती है, जिससे सीखना और अधिक आनन्ददायक हो जाता है।

रचनात्मक आकलन कैसे करें?

विद्यार्थियों ने पढ़ाई जाने वाली पाठ्यवस्तु को ठीक प्रकार समझा है कि नहीं, यह ज्ञात करने के लिए शिक्षकों द्वारा विभिन्न उपायों का प्रयोग किया जाता है जैसे प्रश्न पूछना, कुछ लिखित कार्य करवाना, उन से कुछ बनवाना, कुछ गतिविधि करवाना इत्यादि। इन्हें ही रचनात्मक आकलन के टूल्स एवं टेक्नीक्स (उपकरण एवं तकनीक) कहा जाता है।

शिक्षक विषय की आवश्यकता, संसाधनों एवं समय की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए अपनी रचनात्मकता के आधार पर स्वयं उपयुक्त टूल्स एवं टेक्नीक्स का निर्माण एवं प्रयोग कर सकते हैं। नीचे दिये गये अध्यायवार सुझावों को व्यावहारिकता के आधार पर शिक्षकों द्वारा प्रयोग किया जा सकता है।

रचनात्मक आकलन हेतु टूल्स एवं टेक्नीक्स –

क्रम	अध्याय	गतिविधियाँ
1	अन्तिम खाते (व्यापार तथा लाभ–हानि एवं आर्थिक चिट्ठा) सामान्य समायोजनाओं सहित–	- अन्तिम खातों के प्रारूप तैयार करवाना। - अन्तिम खातों में प्रयोग की जाने वाली मदों का वर्गीकरण करवाना। - बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता कराना। - सामान्य समायोजनाओं का उदाहरण सहित चार्ट तैयार कराना। - प्रोजेक्ट कार्य प्रदान करना।

2	बैंक सम्बन्धी लेन–देन एवं बैंक समाधान विवरण–पत्र	- चेक का नमूना तैयार कराना। - चेक को रेखांकित करवाना। - बैंक पास–बुक एवं रोकड़ पुस्तक में अन्तर के कारणों का चार्ट तैयार करवाना। - बैंक समाधान विवरण–पत्र का नमूना (प्रारूप) तैयार करवाना। - प्रोजेक्ट कार्य प्रदान करना।
3	विनिमय–विपत्र (बिल, हुण्डी व प्रतिज्ञा–पत्र सम्बन्धी साधारण लेखे)	- विनिमय–विपत्र सम्बन्धी शब्दावली की सूची तैयार कराना - रोल–प्ले कराना - बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता कराना
4	व्यापारिक कार्यालय की कार्य प्रणाली नस्तीकरण, अनुक्रमणिका, संदेशवाहन प्रणालियां एवं व्यापारिक कार्यालय में समय व श्रम बचाने वाले यन्त्र	- विभिन्न प्रकार की फाइलों का मॉडल तैयार कराना। - तार (Telegram), ई–मेल, ऑफिस मेमो आदि का नमूना तैयार कराना। - व्यापारिक कार्यालय में समय व श्रम बचाने वाले यन्त्रों का चार्ट बनवाना। - बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता।
5	देशी व्यापार–थोक व फुटकर व्यापार बीजक	- नियमों तथा फार्मेट का चार्ट द्वारा प्रस्तुतीकरण करवाना। - प्रोजेक्ट कार्य। - व्यवहारिक पुस्तकों का अवलोकन। - बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता।
6	बैंक एवं उनकी कार्यप्रणाली	- रोल प्ले (Role Play) - समूह चर्चा - प्रोजेक्ट कार्य - बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता
7	उपयोगिता ह्रास नियम अथवा सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम	- चार्ट व ग्राफ द्वारा प्रस्तुतीकरण करवाना। - बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता
8	व्यय व बचत, उत्पत्ति के साधन	- प्रोजेक्ट कार्य - व्यवहारिक ज्ञान प्रश्नोत्तरी

रचनात्मक आकलन का रिकॉर्ड

रिकार्ड रखने से शिक्षक को विद्यार्थियों के सबल एवं दुर्बल पक्ष की जानकारी रहती है जिससे विद्यार्थियों की उत्तरोत्तर प्रगति एवं सुधारों के आकलन तथा तुलनात्मक विश्लेषण में सहायता मिलती है।

रचनात्मक आकलन में किसी गतिविधि में अंक या ग्रेड प्रदान करने का उद्देश्य यह है कि इससे विद्यार्थी के सीखने के स्तर को समझना आसान हो जाता है। साथ ही दो अलग–अलग समयों पर और दो अलग प्रकार के कौशलों में विद्यार्थी के प्रदर्शन की तुलना करना आसान हो जाता है। यह शिक्षक के व्यक्तिगत रिकॉर्ड के लिए है जिसके आधार पर वह अपनी शिक्षण योजना में आवश्यक परिवर्तन कर सकते हैं अथवा उपचारात्मक शिक्षण की योजना बना सकते हैं।

रचनात्मक आकलन का रिकॉर्ड रखने के लिए शिक्षकों द्वारा प्रदत्त अंकों या ग्रेड का विद्यार्थियों के परीक्षाफल अथवा प्रगति पत्र में कोई उल्लेख नहीं किया जाना है। यह अंक मात्र शिक्षक को विद्यार्थियों के प्रदर्शन के सम्बन्ध में फीडबैक प्रदान करने, रिकॉर्ड रखने तथा शिक्षण–अधिगम को और प्रभावी बनाने के लिए है।

प्रारूप – उदाहरण सहित :–

दिनांकः

क्रियाकलाप का नाम – MCQ's/Quiz

विषय– ''बैंक एवं उनकी कार्यप्रणाली'' का व्यावहारिक ज्ञान

क्रम संख्या	छात्र/छात्रा का नाम	प्राप्तांक	टिप्पणी
1–	**A B C**	9	विषय के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण
2–	**X Y Z**	6	अधिक स्पष्टता की आवश्यकता
3–	**PQR**	3	व्यावहारिक ज्ञान की कमी
4–	**MNO**	8	उचित व्यावहारिक ज्ञान